Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 30-11-2006
Participants : Yadav Shri Ram Kripal,Lalu Prasad Shri ,Singh Shri Mohan

an>

Title: Regarding a news item published in Urdu Edition of Hindustan Express dt. 28.11.2006 tarnishing secular image of India.

श्री राम कृपाल यादव (पटना): अध्यक्ष महोदय, मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूं। आपने मुझे एक महत्वपूर्ण सवाल पर बोलने का अवसर प्रदान किया है। कल इस बारे में चर्चा की और माननीय सांसद श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी के माध्यम से इस पर कार्य स्थगन प्रस्ताव भी पेश किया गया था जिसमें कहा गया था कि दिनांक 28 नवम्बर, 2006 के हिन्दुस्तान एक्सप्रैस (उर्दू) में "इमारते सरैया दहशतगर्दों का महफूज मस्कन" नाम से एक शीर्षक के माध्यम से एक समाचार प्रकाशित किया गया था। उसमें एक अधिकारी द्वारा संस्था के विरुद्ध कमेंट किए गए थे। मैं बताना चाहता हूं कि इमारते सरैया बहुत महत्वपूर्ण संस्था है और सामाजिक, धार्मिक तथा जनसेवा के कार्यों को 1921 से लगातार करती रही है। आपको जानकर खुशी होगी कि उसकी जो बुनियाद डाली गई है, वह हमारे माननीय अबुल कलाम जी की अध्यक्षता में डाली गई है और लगातार कई वर्षों से न सिर्फ बिहार में, बल्कि बंगाल में, झारखण्ड में, उड़ीसा में, इन तमाम जगहों पर यह संस्था काम करती है। लोगों की इसमें बड़ी आस्था है। करोड़ों लोगों की इसमें आस्था है और यह आध्यात्मिक संस्था है। चूंकि यह मेरे क्षेत्र पटना में है, इसलिए मैं इससे अच्छी तरह से वाकिफ हूं। लगातार 20 सालों से मैं इससे जुड़ा रहा हूं और उसकी एक्टिविटीज़ को मैं जानता हूं। धार्मिक और सोशल काम करने में और अगर कहीं बाढ़ आती है तो अगली पंक्ति में यह खड़ी हो जाती है या कोई भी विपत्ति पड़ती है तो अगली पंक्ति में खड़ी हो जाती है, लेकिन जिस तरह से पुलिस अधिकारी के माध्यम से कमेण्ट किया गया है, मैं उनका जो लास्ट कमेण्ट है, वह पढ़कर सुना देता हूं:

It says:

> "Activities of ISI, Lashkar-e-Toiba, SIMI and HUJI from Pakistan and Bangladesh keep visiting Fulware Sharif *via* Bangladesh border."

यह लास्ट पैरा है। इसमें और भी ऐसी बातें हैं। यह उस अधिकारी ने बिना कोई तहकीकात किए हुए, बिना कोई जांच-पड़ताल किए हुए कहा है। क्या वे रॉ के अधिकारी हैं, क्या विजिलेंस के प्रतिठा प्राप्त किए हुए अधिकारी हैं, किस आधार पर इस प्रकार का एलीगेशन फुलवारीशरीफ में लगाया गया? यह अधिकारी उत्तर प्रदेश के एक वरिठ अधिकारी हैं, ...*

जिन्होंने चार्ज करने का काम किया है और बड़े पैमाने पर इससे करोड़ों लोग आहत हुए हैं। ये रेलवे के ए.डी.जी. हैं और बिना किसी जांच-पड़ताल के किस आधार पर इस तरह का कार्य ये कर रहे हैं?

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि यह जांच का विाय है, सरकार इसकी जांच करे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। I will allow him.

श्री राम कृपाल यादव : क्या किसी सरकार को यह छूट है, किसी अधिकारी को यह छूट है कि वह इतनी बड़ी संस्था पर आरोप लगाने का काम करे और करोड़ों लोगों को आहत करने का काम करे? यह बहुत ही सीरियस मैटर है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have drawn the attention of the authority.

श्री राम कृपाल यादव : यह बहुत ही सीरियस मामला है। मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी ने निवेदन करूंगा कि इसकी जांच करवाई जाये और मैं आपको कहता हूं...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: आप बैठिये। I will look into it. Please do not make any allegation against the State Government.

---

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री राम कृपाल यादव :मैं आपको कहता हूं कि अगर इस तरह की एक भी बात जांच में सही पाई जायेगी तो मैं इस्तीफा दे दूंगा, इस संस्था पर जो चार्ज किये गये हैं, पदाधिकारी के माध्यम से जो आरोप लगाये गये हैं, मैं अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा। इसलिए इसे गम्भीरता से लेना चाहिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Devendra Prasad Singh, you are disturbing him.

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please cooperate.

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) ...**

MR. SPEAKER: Shri Devendra Prasad Singh, you raised this issue yesterday. I did not realize that the same issue will be raised today. Now, please sit down.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please do not record anything.

*(Interruptions) ...**

MR. SPEAKER: Please listen to your leader. He is asking you to sit down.

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is not permitted generally. In view of the matter, I allow you now, not as a precedent.

श्री मोहन सिंह (देवरिया):अध्यक्ष जी, मैं धन्यवाद देता हूं कि भाई देवेन्द्र यादव जी ने और रामकृपाल यादवजी ने कल और आज मिलकर एक सही बात को यहां उठाया। मुख्यमंत्री यहां थे, हम लोगों ने भी उनका ध्यान इस तरफ आकृट किया। कल ही उन्होंने इस पर जवाब-तलब किया और कल इस बात में सच्चाई पाकर उस आई.पी.एस. अधिकारी को सरकार ने निलम्बित कर दिया है तथा उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा रही है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You see, this is the way it has to be done. I appreciate it.

* Not recorded

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : मुझे इसी में एक निवेदन करना है ताकि भ्रम पैदा नहीं हो। वह रेलवे का अधिकारीनहीं है।...* यू. पी. कैडर के हैं और आई.पी.एस. पदाधिकारी हैं, जो मोस्ट कम्युनल है, जो बात सामने आई है, इमारते शरिया, फुलवारीशरीफ के मुताल्लिक। इसलिए हमने तो रेल मंत्रालय को कल ही निर्देश दिया कि इस आफिसर को उत्तर प्रदेश सरकार वापस बुलाये और जो कार्रवाई करनी है, करे और इस तरह के आफिसर को रेलवे में न भेजे।

MR. SPEAKER: Your views are shared by him. That is all right.

Now, Shri Hannan Mollah.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will try to accommodate everybody. I cannot call all Members together. Please cooperate.

… (*Interruptions*)